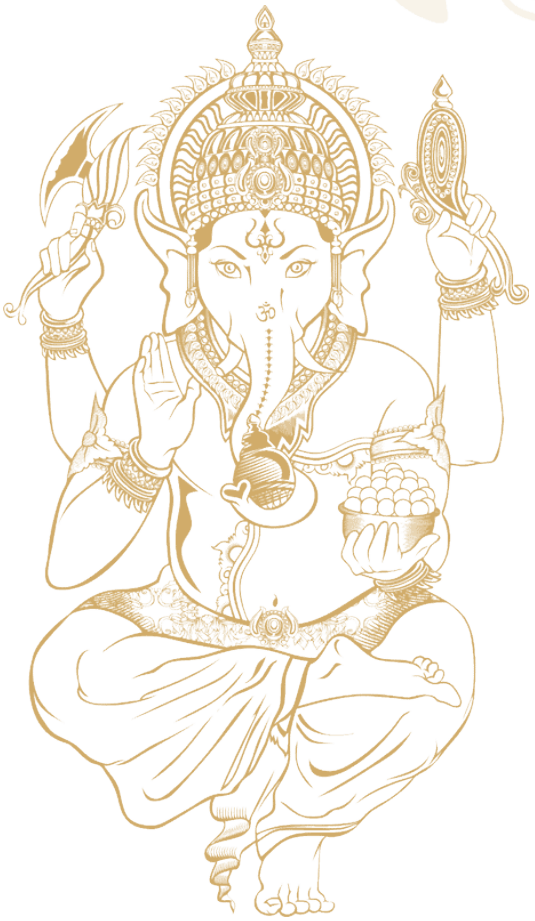

F

19 Jun 2006

05:15 AM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 120907803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**18-19/06/2006**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**05:15:00 घंटे**
इष्ट	59:40:46 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:44:28 घंटे
वेलान्तर	-00:01:03 घंटे
साम्पातिक काल	22:32:45 घंटे
सूर्योदय	05:22:41 घंटे
सूर्यास्त	19:40:31 घंटे
दिनमान	14:17:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	03:38:21 मिथुन
लग्न के अंश	00:47:23 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उ०भाद्रपद - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	थ-थाकोरी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	00:47:23	341:14:29	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	---
सूर्य			मिथु	03:38:21	00:57:17	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	सम राशि
चंद्र			मीन	08:53:57	14:04:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
मंगल			कर्क	15:15:51	00:36:30	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध			मिथु	28:27:46	01:03:41	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु	व		तुला	15:28:55	00:03:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	00:05:18	01:11:00	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	स्वराशि
शनि			कर्क	14:53:42	00:06:26	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	06:12:46	00:00:03	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	06:12:46	00:00:03	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:46:55	00:00:01	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:40:24	00:00:50	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	01:25:05	00:01:34	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	12:29:04	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:50

लग्न-चलित

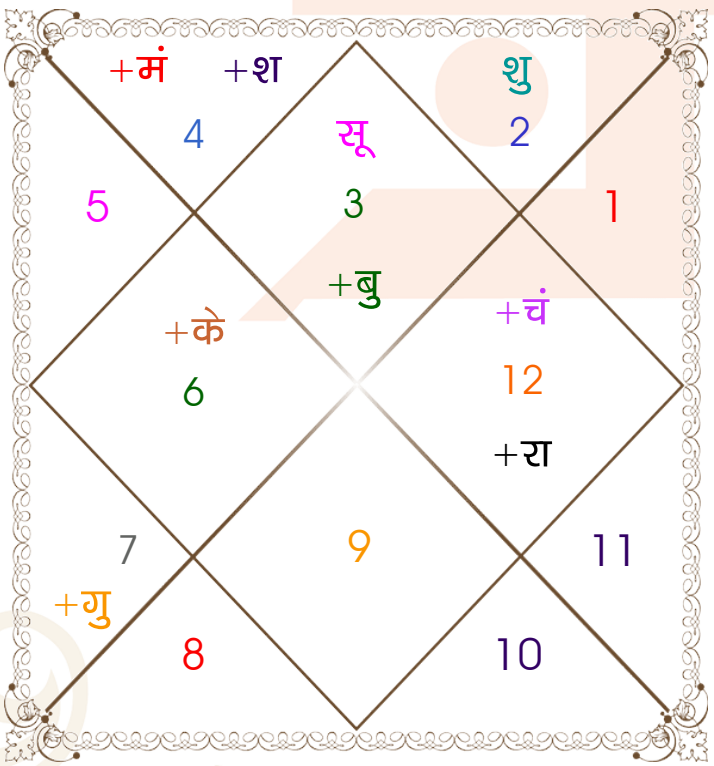

चन्द्र कुंडली

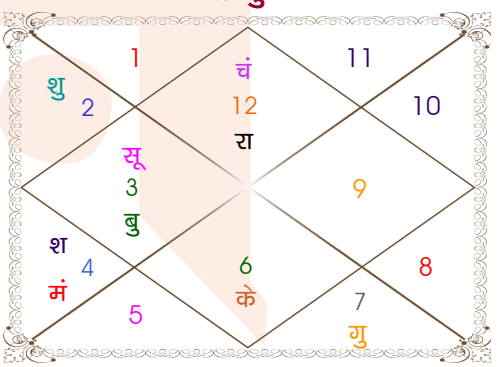

नवमांश कुंडली

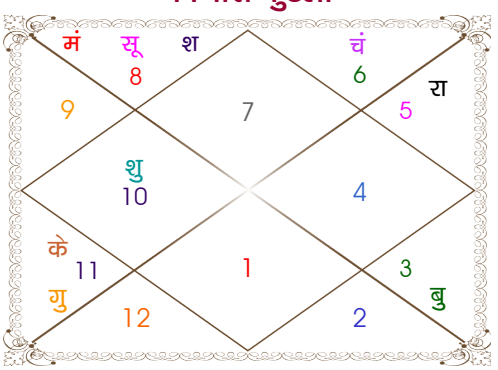

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 11 वर्ष 0 मास 25 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/06/2006		14/07/2017		14/07/2034		14/07/2041		14/07/2061	
14/07/2017		14/07/2034		14/07/2041		14/07/2061		14/07/2067	
	00/00/0000	बुध	10/12/2019	केतु	10/12/2034	शुक्र	12/11/2044	सूर्य	31/10/2061
	00/00/0000	केतु	06/12/2020	शुक्र	09/02/2036	सूर्य	12/11/2045	चंद्र	02/05/2062
	19/06/2006	शुक्र	07/10/2023	सूर्य	16/06/2036	चंद्र	14/07/2047	मंगल	07/09/2062
शुक्र	04/07/2008	सूर्य	13/08/2024	चंद्र	15/01/2037	मंगल	12/09/2048	राहु	01/08/2063
सूर्य	16/06/2009	चंद्र	12/01/2026	मंगल	13/06/2037	राहु	13/09/2051	गुरु	20/05/2064
चंद्र	15/01/2011	मंगल	09/01/2027	राहु	02/07/2038	गुरु	14/05/2054	शनि	01/05/2065
मंगल	24/02/2012	राहु	29/07/2029	गुरु	08/06/2039	शनि	14/07/2057	बुध	08/03/2066
राहु	31/12/2014	गुरु	04/11/2031	शनि	16/07/2040	बुध	13/05/2060	केतु	14/07/2066
गुरु	14/07/2017	शनि	14/07/2034	बुध	14/07/2041	केतु	14/07/2061	शुक्र	14/07/2067

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/07/2067		14/07/2077		13/07/2084		15/07/2102		15/07/2118	
14/07/2077		13/07/2084		15/07/2102		15/07/2118		00/00/0000	
चंद्र	13/05/2068	मंगल	10/12/2077	राहु	26/03/2087	गुरु	01/09/2104	शनि	18/07/2121
मंगल	12/12/2068	राहु	28/12/2078	गुरु	19/08/2089	शनि	15/03/2107	बुध	27/03/2124
राहु	13/06/2070	गुरु	04/12/2079	शनि	25/06/2092	बुध	20/06/2109	केतु	06/05/2125
गुरु	13/10/2071	शनि	12/01/2081	बुध	12/01/2095	केतु	27/05/2110	शुक्र	20/06/2126
शनि	14/05/2073	बुध	09/01/2082	केतु	31/01/2096	शुक्र	25/01/2113		00/00/0000
बुध	13/10/2074	केतु	07/06/2082	शुक्र	31/01/2099	सूर्य	13/11/2113		00/00/0000
केतु	14/05/2075	शुक्र	07/08/2083	सूर्य	25/12/2099	चंद्र	15/03/2115		00/00/0000
शुक्र	12/01/2077	सूर्य	13/12/2083	चंद्र	26/06/2101	मंगल	19/02/2116		00/00/0000
सूर्य	14/07/2077	चंद्र	13/07/2084	मंगल	15/07/2102	राहु	15/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 11 वर्ष 0 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के तृतीयपाद से मिथुन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ तुला का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय स्वरूप से स्पष्ट रूपेण यह सूचित हो रहा है कि आप अपने जीवन में धन-संपत्ति संग्रह करने की क्रिया को महत्व देंगी। परंतु यदि आप अपनी जीवन वृत्ति के लिए बिना मार्गदर्शन लिए ही किसी प्रकार की अगुआई कीं तो परिणाम स्वरूप बहुत बड़ी समस्या उत्पन्न हो जाएगी। अन्य राशियों की वास्तविकता मिथुन लग्न एवं नवांश का प्रभाव जितना यौगिक शक्ति संपन्न है उतना ही क्षति कारक भी है। ऐसे जातक के जीवन में स्वतः सहजता पूर्वक कर्म पथ पर व्यवधान उत्पन्न हो जाते है। परंतु आप उस दिक्कतों को निष्पादन कर सकती हैं।

आप लंबी आकृति की कृशकाय एवं चमकीली आंखों वाली उदाहरणीय प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्राणी को बहुत पसंद करते है। फलस्वरूप आप पुरुष के प्रति आकर्षित तथा कामोत्तेजित होकर आनंद विभोर एवं आसक्त हो जाती हैं। इस प्रवृत्ति से आपके स्वास्थ्य ही नही बिगड़ेगे। बल्कि इसी बिंदु पर आपका (घरेलू) पारिवारिक वातावरण दुषित हो जाएगा तथा घरेलू शांति भंग हो जाएगी। सर्वदा कामोत्तेजना एवं मैथुन क्रिया अर्थात् वासनायुक्त कार्यकलाप के परिणामस्वरूप, आपकी प्रजनन शक्ति दुर्बल तथा संतानोत्पत्ति की संभावना क्षीण हो जाएगी। अन्य के साथ कामवासना युक्त होना चिरस्थायी सिरदर्दी के मूल कारण बन जाएंगे। क्योंकि मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित जातक अति सतर्कता पूर्वक अपने जीवन संगिनी का चयन कर लेते हैं। यह स्वाभाविक गुण उन में विद्यमान रहती है। पति-पत्नी का आपसी संबंध और सेवा भावना की अति उत्तमत्ता हेतु इन दोनों का जन्म लग्न या राशि चिह्न सिंह, तुला मेष एवं कुंभ राशि हो, तो इनका पारिवारिक जीवन अपेक्षाकृत संतुलित रहता है।

आप में अत्यंत दुर्बलता यह है कि मिथुन राशि के अंतर्गत आपका जन्म आपको अस्थिर बुद्धि का बना दिया है। इन राशि लग्न से प्रभावित प्राणी अपने मन को कार्य के अनुरूप अपने हाथ से नही बना पाते- क्योंकि इनमें दृढ़ता पूर्वक एकाग्रता के अभाव को दूर करने में असफलता विद्यमान है। ये उतावलेपन और अस्थिर बुद्धि से किसी भी योजना को बदल कर अपने नये कार्य को करने का विकल्प कर लेते हैं। परिणाम स्वरूप सभी कलाओं में प्रवीण रह कर भी कार्य को नहीं संभाल पाते है। ये स्थिरता पूर्वक कार्य को संपादन नहीं कर अनेकों बार अपने कार्य व्यवसाय को परिवर्तित करते हैं।

ये हर दशा में धैर्य धारण करते हैं तथा ये सदैव ही अवाधगति से चलते रहना चाहते हैं। ये कुछ क्षणों के पश्चात् अन्य कार्य योजना को ग्रहण कर एवं उसे शीघ्र सफल कर लेना चाहते हैं। परिणाम स्वरूप निश्चित समय पर उसका परिणाम असंभाव्य हो जाता है।

अतः मिथुन लग्न/राशि से प्रभावित प्राणी बिना विराम लिए ही कार्यरत रहते हैं। इसके प्रभाव से उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाता है। क्योंकि ऐसे प्राणी स्थिर नहीं रहते। ये सदैव चिंतित अर्थात् चिंताग्रस्त रहते हैं। इस प्रकार ये आक्रांत होकर, व्यापक रूप से, इन्फ्ल्यूऐंजा,

कंठ रोग, स्त्री संबंधी गुप्त रोग एवं अंग खंडित हो जाए, इस प्रकार के रोग से पीड़ित होते हैं। इस प्रकार के जातक को यथेष्ठ रूप से इस प्रकार के रोगों में विश्राम एवं शयन करना चाहिए। साथ ही श्वांस सम्बन्धी व्यायाम इनके लिए सहायक सिद्ध हो सकता है।

इनके लिए अनुकूल एवं उपयुक्त व्यवसायों में ट्रेवल एजेंसी, शेयर, निवेशक विधि, सिनेमा का धंधा, एकाउंटेंसी बैंकिंग कार्य, तेल व्यवसाय, श्रृंगार प्रसाधन पेय, मदिरा एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय अनुकूल है। ये यदि चाहें तो अच्छी सफलता हेतु पराविज्ञान संस्थागत सेवा एवं धार्मिक कार्य कर सकते हैं। अपने जीवन में उत्तमता हेतु मिथुन प्रभावित प्राणी के लिए निम्नांकित निर्देश अनुकरणीय है।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके जीवन से संबंधित कतिपय अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली हैं। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अप्रासंगिक हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग हरा, गुलाबी जामुनी रंग, पीला और नीला रंग है। जबकि इसके अतिरिक्त रंग काला, एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल प्रमाणित होगा।